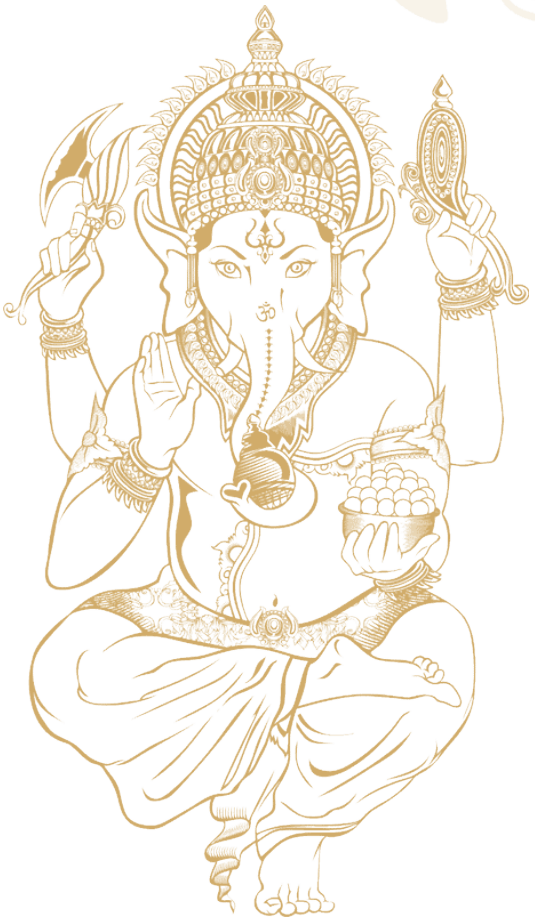

R

V

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121752802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/01/2005	जन्म तिथि	24/07/2003
बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 19:01:00	जन्म समय	22:15:00 घंटे
घटी 29:00:36	जन्म समय(घटी)	40:41:01 घटी
India	देश	India
Jodhpur	स्थान	Jodhpur
26:18:00 उत्तर	अक्षांश	26:18:00 उत्तर
73:08:00 पूर्व	रेखांश	73:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:28	स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:24:45	सूर्योदय	05:58:35
18:15:35	सूर्यास्त	19:28:54
23:55:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:11

विंशोत्तरी बुध 6वर्ष 3मा 4दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 6वर्ष 7मा 0दि	
शुक्र		23:24:13	कर्क	लग्न	मीन	01:04:29	राहु	
03/05/2018		12:46:29	मक	सूर्य	कर्क	07:28:37	22/02/2017	
03/05/2038		25:05:15	कर्क	चंद्र	वृष	14:33:15	23/02/2035	
शुक्र	01/09/2021	28:11:13	वृश्चि	मंगल	कुंभ	16:05:16	राहु	05/11/2019
सूर्य	02/09/2022	00:15:30	मक	बुध	कर्क	26:44:33	गुरु	31/03/2022
चन्द्र	02/05/2024	24:52:07	कन्या	गुरु	कर्क	28:49:14	शनि	04/02/2025
मंगल	02/07/2025	27:11:30	धनु	शुक्र	कर्क	00:34:37	बुध	24/08/2027
राहु	02/07/2028	28:55:49	मिथु व	शनि	मिथु	12:34:51	केतु	11/09/2028
गुरु	03/03/2031	02:17:34	मेष व	राहु व	वृष	03:38:56	शुक्र	12/09/2031
शनि	03/05/2034	02:17:34	तुला व	केतु व	वृश्चि	03:38:56	सूर्य	05/08/2032
बुध	03/03/2037	11:10:20	कुंभ	हर्ष व	कुंभ	08:05:06	चन्द्र	04/02/2034
केतु	03/05/2038	20:50:09	मक	नेप व	मक	18:10:42	मंगल	23/02/2035
		29:39:02	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	23:39:03		

लग्न-चलित

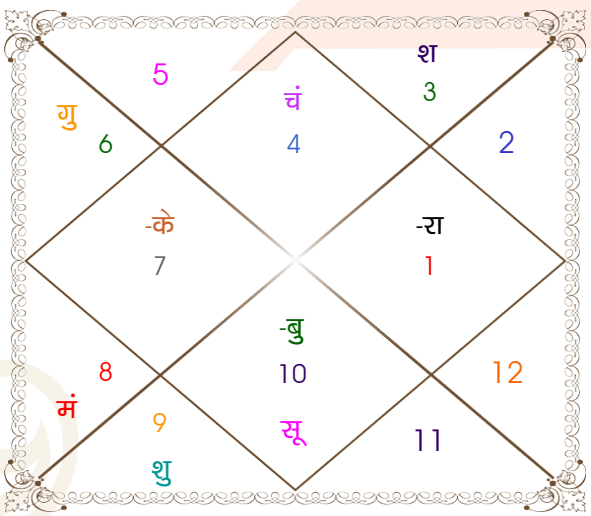

लग्न-चलित

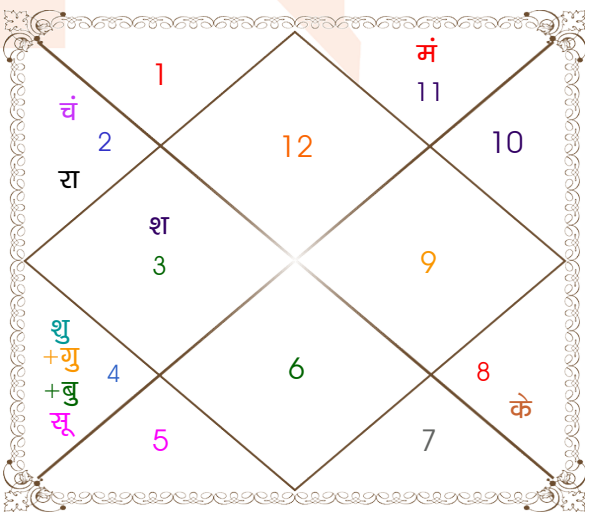

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि V का नक्षत्र रोहिणी है।

R का वर्ग श्वान है Rाथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार R और V का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

R मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

V मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि R कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कV जाता है।

R तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूV गुण नहीं मिलते हैं।